भर्ती हेतु सूचना
परामर्शदाता – जन स्वास्थ्य प्रशासन (विधिक)
जन स्वास्थ्य प्रशासन प्रभाग, एनएचएसआरसी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार (जीओआई) के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है। इसे केंद्रीय स्तर पर नीति, आयोजना और रणनीति विकास में सहायता करने और नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और क्षमता निर्माण हेतु राज्यों को तकनीकी सहायता प्रदान करने का दायित्व सौंपा गया है।

जन स्वास्थ्य प्रशासन (पीएचए) प्रभाग, एनएचएसआरसी

जन स्वास्थ्य प्रशासन (पीएचए) प्रभाग, एनएचएम के माध्यम से अच्छी गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण और शासन के व्यापक ढांचे के अंतर्गत कार्य करता है। शासन के भीतर, यह भारत के संवैधानिक जनादेश में निहित 'स्वास्थ्य कानून और नीति' से संबंधित विषयों और सामुदायिक परिप्रेक्ष्य से सबके लिए स्वास्थ्य देखभाल के उद्देश्य पर कार्य करता है; विनियम/कानूनी ढांचे तैयार करता है और उसे सुदृढ़ बनाता है, जो राज्य के जन स्वास्थ्य कार्यों को गति प्रदान करते हैं और जनता के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की इसकी क्षमता में वृद्धि करते हैं।

एनएचएसआरसी के पीएचए प्रभाग को 'स्वास्थ्य कानून और नीति' संबंधी कार्य में अपना सहयोग प्रदान करने के लिए, एनएचएसआरसी, परामर्शदाता– जन स्वास्थ्य प्रशासन (विधिक) की भर्ती करने का इच्छुक है। यह परामर्शदाता, वरिष्ठ परामर्शदाता (पीएचए) के सहयोग से और सलाहकार, पीएचए के पर्यवेक्षण और समग्र मार्गदर्शन में कार्य करेगा।

भूमिकाएं और दायित्वः

- परामर्शदाता से यह अपेक्षा की जाती है कि वह पीएचए प्रभाग को कानून और स्वास्थ्य से संबंधित निम्नलिखित व्यापक विषयों, किंतु इन्हीं तक सीमित नहीं, पर पीएचए प्रभाग को तकनीकी सहायता प्रदान करेः
- दैनिक कानूनी दायित्वों का निर्वहन करना, और स्वास्थ्य कानून और नीति सबंधी इसके महत्वपूर्ण कार्य में प्रभाग को सहायता प्रदान करना, जिसमें शामिल हैंः
    - राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य विधेयक
    - यौन उत्पीड़न और बलात्कार सहित चिकित्सीय–कानूनी मामलों, के प्रबंधन के लिए मौजूदा कानूनों और कानूनी दायित्वों के आधार पर व्यापक प्रोटोकॉल
    - दुग्ध प्रबंधन केन्द्रों/मानव दुग्ध बैंकिंग को विनियमित करने संबंधी कानून
    - नैदानिक स्थापना अधिनियम
    - डिजिटल सूचना सुरक्षा और निजता संबंधी मुद्दे
- कार्य के निर्धारित क्षेत्रों पर कानूनी अनुसंधान और विश्लेषण करना।
- अच्छी गुणवत्ता वाले ब्रीफिंग दस्तावेज, विश्लेषणात्मक ढांचे, संकल्पनात्मक कागजात, प्रस्तुतियाँ और आवश्यकतानुसार अन्य दस्तावेजों का मसौदा तैयार करना।
- सौंपे गए कानूनों, नीति और कार्यक्रमों का मसौदा तैयार करना।
- स्वास्थ्य में कानूनी–नैतिक मुद्दों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर का मसौदा तैयार करना।
- स्वास्थ्य/जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवीनतम कानून और नीति के घटनाक्रम संबंधी दस्तावेज की अद्यतन जानकारी रखना और टीम को अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराना।

- यह सुनिश्चित करने में टीम की सहायता करना कि तैयार की जा रही स्वास्थ्य नीतियों, कार्यक्रमों और दिशानिर्देशों का विस्तार वैधानिक कानूनी दायित्वों के अनुरूप हो।
- कानूनी मुद्दों पर सलाह देकर, कानूनी दस्तावेजों का मसौदा तैयार कर और सुसंगत मुद्दों के लिए कानूनी उपचार तैयार कर संगठन को सहायता प्रदान करना।
- आवश्यकतानुसार बैठकें, कार्यशालाएँ और परामर्श कार्यक्रम आयोजित करना।
- प्रशिक्षण और क्षमता विकास, सहयोगी पर्यवेक्षण और निगरानी के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी कानूनों के कार्यान्वयन में राज्यों और जिलों की सहायता करना।
- एनएचएसआरसी के अन्य प्रभागों के साथ समन्वय और सहयोग करना।
- सलाहकार द्वारा समय–समय पर सौंपे गए पीएचए प्रभाग के अन्य कार्य करना।

योग्यता

अनिवार्यः

- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक उपाधि।
- योग्यता उपरांत सुसंगत कार्य का न्यूनतम 3 वर्षों का अनुभव।
- स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण कानूनों का कार्यसाधक ज्ञान।
- कानूनी अनुसंधान, विश्लेषण, आलेखन और प्रस्तुति का उत्कृष्ट कौशल।
- तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए राज्यों और जिलों की यात्रा करने की इच्छा।
- न्यूनतम पर्यवेक्षण के साथ सीमित समय सीमा के भीतर कार्य संपन्न करने के लिए अकेले एक साथ विभिन्न कार्य करने की क्षमता।
- भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य संरचना और प्रणालियों की समझ।
- बहु–अनुशासनात्मक टीम परिवेश में कार्य करने की प्रदर्शित योग्यता।
- आम तौर पर उपयोग किए जाने वाले पैकेजों, यथा– एमएस–वर्ड, एक्सेल, पॉवरपाइंट की उच्च स्तरीय जानकारी सहित कंप्यूटर में प्रवीणता।
- उच्च गुणवत्तापूर्ण प्रकाशित कार्य या विशिष्ट सुससंगत कार्य अनुभव होने पर औपचारिक शैक्षणिक योग्यता और अनुभव में ढील दी जा सकती है।

वांछनीय

- जन स्वास्थ्य/प्रबंध/विधि (लॉ) में स्नातकोत्तर उपाधि।
- स्वास्थ्य कानून और नीति के क्षेत्रों में कार्य अनुभव, जिसमें अस्पताल, स्वास्थ्य सेवा, मानसिक स्वास्थ्य, जेंडर, यौनिकता, विकलांगता, एचआईवी, टीबी, तंबाकू नियंत्रण इत्यादि के मुद्दे शामिल हैं।
- कानून और स्वास्थ्य के सुसंगत क्षेत्रों पर अनुसंधान का अनुभव।
- कानून, स्वास्थ्य और साम्यता के बीच अंतर–संबंध के क्षेत्र में प्रकाशित कार्य।
- उत्कृष्ट अभ्यर्थी के लिए अनुभव और आयु सीमा में छूट पर विचार किया जा सकता है।

आयु सीमाः अधिकतम 40 वर्ष (आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि को)।

कार्य स्थलः नई दिल्ली, आवश्यकतानुसार यात्रा करने का इच्छुक

पारिश्रमिक सीमाः प्रतिमाह 60,000/– रु. से 1,20,000/– रु. के बीच

****** *योग्यता एवं अनुभव के आधार पर उपर्युक्त सीमा के भीतर पारिश्रमिक का निर्धारण किया जाएगा।*

आवेदन करने के लिएः अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे एनएचएसआरसी की वेबसाइट पर अपलोड किए गए भर्ती हेतु सूचना के साथ संलग्न आवेदन पत्र को डाउनलोड कर विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र को 12 जून, 2020 तक केवल **recruitment.pha.nhsrc@gmail.com** पर ई–मेल कर दें। कसी अन्य प्रारूप में प्रस्तुत किया गया आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। कृपया सुनिश्चित करें कि आवेदन पत्र पर आवेदन किए गए पद का उल्लेख किया गया है, अन्यथा आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।